(ग) 1990-91 से 1994-95 के दौरान कारों का उत्पादन इस प्रकार रहा:—

1990-91	—	1,81,416
1991-92	—	1,66,383
1992-93	—	1,63,100
1993-94	—	2,09,695
1994-95	—	2,64,007

(घ) देश में 1991-92 से 1994-95 के दौरान कारों के निर्यात से प्राप्त विदेशी मुद्रा की अनुमानित रकम लगभग 300 मिलियन अमरीकी डालर है।

मीटर गेज रेल संबंधी उपकरणों का निर्यात

*275. **श्री अनन्तराय देवशंकर दवे:** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने, विशेष रूप से मीटर गेज संबंधी रेल उपकरणों के निर्यात में तेजी लाने के लिए कोई समिति गठित की थी;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या बंगला देश को रेल के इंजन लीज़ पर देने संबंधी कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है;

(घ) क्या रेल इंडिया टेक्नीकल एण्ड इकानामिक सर्विसेज ने वातानुकूलित और साधारण शयनयानों के निर्यात हेतु वियतनाम रेलवे के साथ कोई समझौता किया है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुरेश कलमाड़ी): (क) और (ख) एक ही स्थान पर स्वीकृति देने और निर्यात संबंधी पूछताछ का शीघ्र निपटान सुनिश्चित करने के लिए अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय निर्यात संवर्धन समिति का गठन किया गया है।

(ग) जी नहीं।

(घ) जी हां।

(ङ) वियतनाम को फरवरी, 95 में मीटर लाइन के 10 वातानुकूल सवारी डिब्बों और अप्रैल, 95 में मीटर लाइन के 5 साधारण शयनयानों का निर्यात किया गया था, जिनका कुल मूल्य 7.83 करोड़ रु० था।

Instrumentation Limited, Palghat

*276. SHRI O. RAJAGOPAL: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether Instrumentation Limited, Palghat, a public sector unit in Kerala, is a profit making unit and has been merged with the Instrumentation Limited, which has been declared a sick unit by BIFR;

(b) if so, the reasons therefor;

(c) whether Government propose to de-link this company (Palghat Unit of Instrumentation Ltd.) from Instrumentation Limited; if so, when;

(d) if not, the reasons therefor; and

(e) whether Government would consider the merger of this particular unit with any other Public Sector Undertaking like BHEL?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI K. KARUNAKARAN): (a) and (b) Instrumentation Ltd. (IL) has been declared a sick company by BIFR. The Palghat unit, which is making profits, is an integral part of the company. The BIFR considers Financial status of the company as a whole for the purpose.

(c) to (e) Various options including revival of the company as a whole or of separate units (including merger with any PSU) are under consideration.